

शिक्षा प्रबंधन के सशक्तिकरण में आईसीटी की भूमिका: एक साहित्यिक समीक्षा

प्रियंवदा मिश्रा¹ and डॉ. मोहम्मद जावेद²

¹शोधार्थी, शिक्षा शास्त्र -विभाग

²असिस्टेंट प्रोफेसर, शिक्षा शास्त्र -विभाग

सनराइज विश्वविद्यालय अलवर, राजस्थान

सारांश

सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) ने शिक्षा प्रबंधन के क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन लाए हैं। इस समीक्षा पत्र का उद्देश्य यह विश्लेषण करना है कि किस प्रकार (आईसीटी) उपकरणों और प्रणालियों का उपयोग कर शैक्षणिक संस्थान प्रशासनिक दक्षता, डेटा प्रबंधन, शिक्षक-छात्र संचार, और नीतिगत निर्णयों को बेहतर बना रहे हैं। इस अध्ययन में विभिन्न शोध पत्रों और रिपोर्टों की समीक्षा की गई है ताकि यह समझा जा सके कि (आईसीटी) शिक्षा प्रबंधन को कैसे सशक्त बना रही है। सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) ने 21वीं सदी में शिक्षा प्रणाली में क्रांतिकारी परिवर्तन लाए हैं, विशेष रूप से शिक्षा प्रबंधन के क्षेत्र में। यह तकनीकी परिवर्तन केवल शिक्षण और अधिगम तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके प्रभाव विद्यालय, कॉलेज और विश्वविद्यालयों के प्रशासनिक ढांचे पर भी स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं। इस साहित्यिक समीक्षा का उद्देश्य यह समझना है कि (आईसीटी) कैसे शिक्षा प्रबंधन को अधिक प्रभावी, पारदर्शी, उत्तरदायी और गतिशील बना रही है।

विभिन्न शोधों और रिपोर्टों के अध्ययन से यह स्पष्ट होता है कि (आईसीटी) का उपयोग शिक्षा प्रबंधन में बहु-आयामी लाभ प्रदान करता है। इसमें मुख्य रूप से सूचना का डिजिटल संग्रहण और विश्लेषण, समयबद्ध रिपोर्टिंग, कर्मचारियों और छात्रों का रिकॉर्ड प्रबंधन, ऑनलाइन उपस्थिति प्रणाली, मूल्यांकन प्रक्रिया का डिजिटलीकरण और संसाधनों का कुशल वितरण शामिल है। इन सबके माध्यम से शैक्षणिक संस्थान अपनी प्रशासनिक प्रक्रियाओं को अधिक सुव्यवस्थित बना सकते हैं। उदाहरणस्वरूप, मैनेजमेंट इंफॉर्मेशन सिस्टम के प्रयोग से स्कूलों और कॉलेजों में डेटा आधारित निर्णय लेना अधिक आसान हो गया है।

